MOTION FOR ELECTION TO THE INDIAN NURSING COUNCIL

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI M. L. FOTEDAR): Madam, I beg to move the following Motion :

"That in pursuance of clause (o) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Nursing Council Act, 1947 (48 of 1947), this House do proceed to elect, in such manner as the Chairman may direct, one member from among the members of the House to be a member of the Indian Nursing Council."

The question was put and the motion was adopted.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have seven Special Mentions and I have the clarifications; so, we will take up the clarifications... (*Interruptions*)...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Madam, please do not take up the Special Mentions... (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let the Home Minister come. .(*Interruptions*)

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Madam, it is a very important issue. Why has the Home Minister not yet come? ...(*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: He must be in the other House. Let us not be that impatient. Please, order, order.. (*Interruptions*)...

SHRI YASHWANT SINHA: There are two Home Ministers and none of them is present here. Mr. Jacob could have come .(*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: He may be having the Question Hour there in the other House ..(*Interruptions*)...

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, both of them are absent. The other day, the Railway Ministers were not present here ..(*Interruptions*)...This is being repeated...(*Interruptions*)..

SHRI YASHWANT SINHA: Is this the kind of investigation that they are doing into the assassination of Shri Rajiv Gandhi?...(*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Order, order...(*Interruptions*)...Just a minute ...(*Interruptions*)...I can see the Home Minister in the corridor. He will be coming soon...(*Interruptions*) ..Order, order, please...(*Interruptions*)...

REFERENCE TO REPORTED KILLING OF PILGRIMS IN PILIBHIT, U.P.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया (बिहार):महोदय, पीलीभीत में जो 10... (**व्यवधान**)

डा० रामाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश) : एसपी,* को गिरफ्तार किया जाए ।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया : पीलीभीत में जो 10 तीर्थ यात्रियों की हत्या हुई है, उन 10 तीर्थ-यात्रियों को बस से उतार कर और झूठी मुठभेड़ दिखाकर जंगल में... (**व्यवधान**)

उपसभापति : यह मसला हाउस में उठ चुका है । आप बैठ जाइए ।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया : बीजेपी सरकार ने उनकी नृशंस हत्या की है और महोदया मैं आपके माध्यम से* एसपी, पीलीभीत की गिरफ्तारी की मांग करता हूं ।... (**व्यवधान**)

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल (उत्तर प्रदेश) : 40 आदमी मारे जा चुके है और उत्तर प्रदेश ... (**व्यवधान**)

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश) : महोदया, उनकी लाशें भी उनके परिवार वालों को नहीं सौंपी गई ।... (**व्यवधान**) झूठी मुठभेड़ बताकर उनको मारा जा रहा ।

डा० अब्दुल अहमद (राजस्थान) : महोदया, यह वही एसपी है जो जहां भी जाता है नरसंहार कर देता है । जहां जहां भी यह गया, आप इस एसपी का रिकार्ड उठाकर देखिए... (**व्यवधान**)

*Expunged as ordered by the Chair.

डा० रत्नाकर पाण्डेय : *को गिरफ्तार किया जाए, मेरी स्टेट का मामला है। बी०जे०पी० के लोग आतंकवाद के नाम पर जिस तरह से निर्दोष लोगों को (व्यवधान)

डा० अबरार अहमद : महोदया, यह एस०पी० जहा भी गया है, इसने इसी प्रकार से नरसंहार किया है। मलियाना कांड में भी यही एस०पी० था और 20 दिन पहले अभी भारतीय जनता पार्टी सरकार के मुख्य मंत्री ने उनको उस कांड से मुक्त किया है। यह बुलन्दशहर गया और कई और जगह गया, जहा-जहां गया इसका रिकार्ड उठाकर देख लीजिए, इसने नर संहार किया और निर्दोष लोगों को मारा और पीलीभीत के अदर, मैडम एस० एस० अहलुवालिया जी, सुरेश पचौरी जी और (व्यवधान) हम चार आदमी वहा जाकर के हम (व्यवधान)

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अहमद : 24 लोग मारे जा चुके है।

श्री सरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : कल्याण सिंह से इस्तीफा लिया जाए और* को गिरफ्तार किया जाए। (व्यवधान)

श्री सुरेश पचौरी : उनके पास कोई शस्त्र बरामद नहीं हुए। उनकी लाशें शिनाख्त के लिए उनके परिवारजनों को नहीं सौंपी गई, दाह संस्कार के लिए उनके परिवारजनों को नहीं सौंपी गई।... (व्यवधान)

डा० रत्नाकर पांडे : बी०जे०पी० के लोग जिस तरह से निर्दोष अल्पसख्यकों की हत्या कर रहे हैं आतकवाद के नाम पर और एस०पी० त्रिपाठी बनारस में भी रहा है, इलाहाबाद में भी रहा है, मलियाना में भी रहा है और हर जगह इसने आतक मचाया था और निर्दोष लोगों को आतंकवादी कहकर के जिस तरह से मारा जा रहा है, देशव्यापी दंगे फैलाने की साजिश बी० जे० पी० ने गवर्नमेंट उत्तर प्रदेश में कर रही, है उस पर तत्काल एक्शन होना चाहिए और* को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। एक संसदीय दल हमारा गया था, कांग्रेस का, जांच करने के लिए, उस पर होम मिनिस्टर साहब अपना रिएक्शन दें और सदन को कांन्फिडेंस में लें। (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, the Home Minister is here. You have said what you wanted to say. Now, take your seat... (*Interruptions*)... Please sit down. (*Interruptions*)... Now, clarifications on the statement regarding the escape from custody and subsequent death of Shri Shanmugam, one of the accused in the Rajiv Gandhi assassination case. (*Interruptions*)

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : महोदया, इससे ज्यादा शर्मनाक घटन और क्या हो सकती है कि 10 तीर्थ यात्रियों को, जो तीर्थ यात्रा करके लौट रहे थे, उनको झूठी मुठभेड़ का नाम देकर मारा गया है।

डा० अबरार अहमद : थाने से सिर्फ 250 गज की दूरी पर उसकी भारत मेडिकल के नाम के दूकान थी और वह बच्चा जो भारत मेडिकल पर बैठा करता था, थाने से 250 गज दूर उसकी दुकान थी, सिपाही रोजना उसकी दुकान पर बैठे रहा करते थे, उस बच्चे की उन्होंने गोली मार कर, आतंकवादी बता करके नृशंस हत्या कर दी (व्यवधान) इस लिये निर्दोष हत्या में उस एस०पी०को गिरफ्तार किया जाना चाहिये (व्यवधान)

श्रीमती सत्या बहिन (उत्तर प्रदेश): मैडम भाजपा सरकार को बर्खास्त किया जाना चाहिये (व्यवधान)

डा० रत्नाकर पाण्डेय : गृह मंत्री जी अपना रिएक्शन दें, यहां उपस्थित हैं महोदया। उपसभापति महोदया, यह मामूली घटना नही है उत्तर प्रदेश में अशांति व्याप्त हैं। वहीं वह जो कुछ कर रही है इससे देशव्यापी दंगा फैलाने की संभावना है और जिस तरह से निर्दोष यात्रियों की हत्या की गयी है, वे धार्मिक काम से गये थे और उन्हें बस से उतार करके जिस नृशंसता के साथ मारा गया है और आतंकवाद के नाम पर जिस तरह से उनकी हत्या की गयी है उसकी जांच हो और सी०बी०आई० जांच करे उसकी।

*Expunged as ordered by the Chair.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : . . . (**व्यवधान**) मैं आपसे अर्ज करना चाहता हूं कि गुजरात में दंगे हो रहे हैं, 24 लोग मारे जा चुके हैं अब तक वह और कल उत्तर प्रदेश के बहराइच में दंगा हुआ है दो लोग वहां मारे जा चुके है। जो शर्मनाम वाकया अभी अहलूवालिया जी ने और रत्नाकर पाण्डेय जी ने कहा, पूरा देश इस पर चिंतित है. . . (**व्यवधान**)

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : सात आदमी बिहार में मार दिये गये। (**व्यवधान**)

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : . . . (**व्यवधान**) पूरे उत्तर प्रदेश में अकलियतों को डराया धमकाया जा रहा है। यह बात किसी हालत में बर्दाश्त नहीं की जायेगी . . . (**व्यवधान**)

डा० रत्नाकर पांडेय : बी० जे० पी० की सरकार देशव्यापी दंगा कराना चाहती है।

डा० अबरार अहमद : ...(**व्यवधान**) दंगों के नाम पर टाडा एक्ट का जिस प्रकार से सारे देश में दुरूपयोग किया जा रहा है, (**व्यवधान**) टाडा एक्ट के नाम से बेगुनाह लोगों को पुलिस पकड़ती है, उनकी जमानतें भी नहीं होती हैं। जिन लोगों से पुलिस की रंजिश होती है उन लोगों को टाडा एक्ट के अन्तर्गत बंद कर दिया जाता है . . . (**व्यवधान**)

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : यह भारतीय जनता पार्टी के लोग कहते हैं कि जिसको वहां डर है वह उत्तर प्रदेश छोड़ करके दिल्ली आ जाये, यह इन लोगों का रवैया है . . . (**व्यवधान**)

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : महोदया, पीलीभीत के एस० पी० को गिरफ्तार कराया जाये (**व्यवधान**)

उपसभापति : बस, प्लीज (**व्यवधान**)

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : . . . (**व्यवधान**) होम मिनिस्टर साहब, जवाब दे क्या उत्तर प्रदेश के मुसलमानों को दिल्ली आ जाना चाहिये, जैसा उन्होंने फरमाया है . . . (**व्यवधान**)

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : महोदया, पीलीभीत के एस० पी० को गिरफ्तार किया जाये और सी० बी० आई० की ांच हो . . . (**व्यवधा**)न

डा० रत्नाकर पाण्डेय : गृह मंत्री जी वक्तव्य दें।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : कल्याण सिंह के पियादों को बर्खास्त किया जाये लेकिन ऊपर से धमकी दी जा रही है कि अगर कोई भी आदमी वहां से जुडिशियल इंक्वायरी के सामने पेश होकर एस० पी० पीलीभीत के खिलाफ बात करेगा उसका कत्लेआम कराने की बात की जा रही है (**व्यवधान**) इस तरह की धमकियां दी जा रही हैं. . . (**व्यवधान**)

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : (**व्यवधान**) एस० पी० को फौरन गिरफ्तार किया जाना चाहिए. . . (**व्यवधान**)

डा० अबरार अहमद : . . . (**व्यवधान**) तीन जगह मुठभेड बताकर 11 आदमियों को मारा गया है. . . (**व्यवधान**)

उपसभापति : बस, आप लोग बैठें तो, बैठिए।

डा० रत्नाकर पांडेय (**व्यवधान**) उत्तर प्रदेश का मामला है, इस पर गृह मंत्री जी वक्तव्य दें।

उपसभापति : आप बैठें तभी वक्तव्य की बात होगी।

Take your seats. If you sit down, then I can ask the Minister: (*Interruptions*) Please take your seat: Please sit down. (*Interruptions*)

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : माननीय गृह मंत्री जी स्टेटमेंट दें पीलीभीत पर. . . (**व्यवधान**) और उसके बारे में अभी तक के लिए सरकार का कोई रिएक्शन नहीं है ?

श्रीमती सत्या बहिन : उत्तर प्रदेश सरकार को बर्खास्त करो, . बर्खास्त करो . . . (**व्यवधान**)

डा० अबरार अहमद : . . . (**व्यवधान**) एस० पी० पीलीभीत को फौरन गिरफ्तार किया जाये। उसने मर्डर किया है, हत्या की है. निर्दोष लोगों को मारा है और. . . (**व्यवधान**)

श्री रत्नाकर पाण्डेय : इबादत करने नहीं जायेगा, गुरू ग्रंथ साहिब की पूजा नहीं करेगा और यह मामूली घटना नही है। उत्तर प्रदेश देश का हृदय स्थान है

और वहां इस तरह से आंतकवाद के नाम पर निर्दोष यात्रियों की हत्या करना बहुत ही महत्वपूर्ण घटना है, इस पर गृह मंत्री जी वक्तव्य दें और हम उस पर स्पष्टीकरण चाहेंगे और उत्तर प्रदेश की सरकार जो साम्प्रदायिकता से भरी हुई है उसे सस्पेंड करें ।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : होम मिनिस्टर साहब को जवाब देना चाहिए ।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : वहां के एस०पी० जिनके हाथ खून से रंगे हुए हैं उनको सस्पेंड किया जाए, बर्खास्त किया जाए... **(व्यवधान)**

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : यू०पी० की हत्यारी सरकार को बर्खास्त करो, सिखों के हत्यारों को गिरफ्तार करो ।

डा० अबरार अहमद : महोदया, आज पूरे पीलीभीत इलाके में लोग आतंकित हैं... **(व्यवधान)**

SHRI M. S. GURUPADASWAMY (Uttar Pradesh): Madam, let the Home Minister say something about it.

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI S. JAIPAL REDDY): Madam, Deputy Chairman, could I make a submission (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just a minute. The Leader of the Opposition wants to say something.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, I share the sentiments of the Members, I am sure all sections of the House share the sentiments expressed by the Members on the Pilibhit incident, and we all know about the reputation on record of the police officers of that district. (*Interruptions*). The mere announcement of a judicial inquiry does not meet the ends of Justice.

SHRI S. S. AHLUWALIA: We want CBI inquiry.

SHRI S. JAIPAL REDDY: There is a need for the Home Minister to collect the facts and make a statement on the floor of the House. (*Interruptions*). I support the demand. I also demand that the police officers be transferred pending a judicial inquiry into the incident because...

SHRI S. S. AHLUWALIA: They should be suspended.

SHRI S. JAIPAL REDDY: ... the *prima-facie* evidence suggests the involvement of the police officers. Action must be taken against them. So long as they are there, no fair inquiry is possible. Will the Home Minister respond?

SHRI DIPEN GHOSH (West Bengal): Madam Deputy Chairman... (*Interruptions*).

डा० अबरार अहमद : महोदया, उन दोषी पुलिस अधिकारियों को गिरफ्तार किया जाए, सस्पेंड किया जाए.. **(व्यवधान)**

डा० रत्नाकर पाण्डेय : गृह मंत्री यहां मौजूद हैं, वे इस पर स्टेटमेंट दें **(व्यवधान)**

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV (Maharashtra): Madam Deputy Chairman, this matter is very serious. Pilgrims have been brutally murdered. This matter is very serious. That is why, Madam, I request through you the hon. Home Minister to give some reaction at least as to what action they are going to take. This is a very serious matter. He must react.

(*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just a minute. Just listen to me for a minute. The Home Minister has heard. If he wanted to react, he would have reacted. Let us go ahead with our business.

(*Interruptions*)

SHRI YASHWANT SINHA (Bihar): Madam, the Home Minister has said that he will collect the facts and come back to the House. You check the record. The Home Minister has said that he will get in touch with the Uttar Pradesh Government to collect the facts and will come back to us. When is he coming back. The

[Shri Yashwant Sinha]

Home Minister has promised that he will come back to the House after checking the facts. Let him tell us what has happened. I would like to know from him whether he has collected the facts from the Uttar Pradesh Government. Is he in a position to react?

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश): महोदया, यह बहुत ही गंभीर मामला है। इस घटना पर गृह मंत्री सदन को आश्वस्त करें...इस बारे में जवाब दें... (**व्यवधान**)

उपसभापति : यादव जी, कृपया स्थान ग्रहण कीजिए... (**व्यवधान**)

Home Minister is reacting.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): Madam Deputy Chairperson, this is a serious matter. And I very well appreciate the sentiments of the hon. Members that the UP Government will have to supply the facts. We have written to the UP Government to supply the facts in this respect. But, at the same time, we have to realise when Mr. Jaipal Reddy is also saying same thing that the CBI should make an enquiry into the matter... (*Interruptions*)... I think, there are deeper issues involved. And if the Members of the Opposition feel that if any communal incident or for that matter any other incident has taken place in any State, it will be very difficult for the Government of India without the consent of the... (*Interruptions*).

DR. ABRAR AHMED: Madam, I am on a point of order.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him finish. You asked him to react... (*Interruptions*). Please sit down.

SHRI S. JAIPAL REDDY: I did not demand the CBI inquiry. I wanted the Government of India to collect facts from the UP Government to make a statement in the House.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Reddy let the Minister speak first. If you have anything to ask, I will allow. Please let us have peace in the House.

SHRI S. B. CHAVAN: So far, the UP Government has not been able to furnish any facts. Even if they have to furnish the facts, this will in fact become a precedent for getting the facts and making statement in the House. If the Deputy Chairman feels that this is a matter in which the Home Ministry should collect the facts and make a statement in the House, certainly I will get the facts expeditiously from the UP Government and then make a statement in the House. Because the normal practice is, so far as the present position is concerned, matters which pertain to the State Government are not . . . (*Interruptions*).

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : मेरा कहना यह है कि पीलीभीत में माइनोरिटीज को नुक्सान हो रहा है (**व्यवधान**)

SHRI S. S. AHLUWALIA: It is a matter of minorties. It is under the Central Government.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Ahluwalia, please sit down. I will permit you. Please have patience. I would like to remind the Government that there have been some incidents, whether with regard to Harijans, women or minorities, the matters have been taken up in this House because we are a Council of States. If the Council of States is not going to look into the matters then who else will look after it. If the State Government has not given redressal in certain matters, the Government has taken up those matters in the past.

DR. RATNAKAR PANDEY: When is the Home Minister coming with facts?

उपसभापति : आप लोगों की भावनाओं को सामने रखते हुए होम मिनिस्टर ने चेयर से पूछा। ऐसे वाकये पर मैंने उनसे कहा कि सेंट्रल गवर्नमेंट स्टेटमेंट दे आप थोड़ा धीरज रखिए। एक मसला हल हो जाने दीजिए, फिर दूसरी बात कहिए।... (**व्यवधान**)

SHRI S. B. CHAVAN: If the Deputy Chairman so feels that I will have to collect the facts and make a statement in the House, I will do it.

THE DEPUTY CHAIRMAN: This matter is closed now. (*Interruptions*). I will not allow. The Home Minister has given the assurance. (*Interruptions*).

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : मैं गृह मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि जब उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने उत्तर नहीं दिया तो क्या उन्होंने टेलीफोन पर या वायरलैस पर जानकारी प्राप्त की या नहीं ? अगर नहीं की तो क्यों नहीं की ? क्या उनको जानकारी है कि उत्तर प्रदेश की सरकार ने हाई कोर्ट जज द्वारा इंक्वायरी स्थापित कर दी है ? ...(व्यवधान)

डा० रत्नाकर पाण्डेय: महोदया,... (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, take your seats. (*Interruptions*). I say, please... (*Interruptions*).

SHRI SURESH KALMADI: Madam, I would like to know whether Mr. Doraiswamy is dead or alive. I would like to know whether the person who is intervening on behalf of the Government with the terrorists has also been kidnapped. I want to know whether he is alive or not. Three terrorists who were released whether they are... (*Interruptions*). We would like the House to be taken into confidence. We do not know what is happening. We do not know what is the fate of Mr. Doraiswamy. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. I have some business. Let me go ahead with that.

SHRI SURESH KALMADI: The Home Minister should tell us. The family of Mr. Doraiswamy... (*Interruptions*).

उपसभापति : पहले एक बात तो पूरी होने दीजिए।...(व्यवधान)

डा० अबरार अहमद : महोदया, मेरा कहना यह है कि...(व्यवधान)

उपसभापति : आप लोग बैठ जाइए। (व्यवधान) जैसा कि गृह मंत्री जी ने कहा है, वह पूरी जानकारी लेकर हाउस के सामने आयेंगे।...(व्यवधान)

SHRI SURESH KALMADI: Certainly, I want to know from the Home Minister the position of Mr. Doraiswamy. I want to know... (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let us go ahead with the next business.

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: No, why has the Government...

THE DEPUTY CHAIRMAN: That matter is closed now.

SHRI SURESH KALMADI: We wanted a statement from the Home Minister. We are being kept totally in dark. What is happening in Kashmir regarding the kidnapping of Mr. Doraiswamy ? Please ask the Home Minister for a statement.

उपसभापति : हमने होम मिनिस्टर से पूरी जानकारी मांगी है वह आने दीजिए। (व्यवधान)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : : मैं यह पूछना चाह रहा हूं... (व्यवधान) Why has the Government failed to contact the Chief Minister?

THE DEPUTY CHAIRMAN: He is going to do it now.

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: He should have contacted the Chief Minister on telephone, on wireless and come before the House with facts.

THE DEPUTY CHAIRMAN: He has taken note of your concern.

SHRI SURESH KALMADI: Madam, we want your protection. We wanted a statement on Doraiswamy incident. The Home Minister was not here yesterday in the House. Today he is present. All of us

[Shri Suresh Kalmadi]

are concerned about what is happening in Kashmir and what has happened to Mr. Doraiswamy. The Home Minister had said that the matter was in a delicate stage. But after that, there has been total bungling. Three terrorists have already been released but Mr. Doraiswamy has not been released as yet. What was the agreement between the terrorists and the Government? The House would like to know. We do not want to believe only the newspapers. The Home Minister should take Parliament into confidence and he should tell us whether Mr. Doraiswamy is dead or alive. It is a very serious matter. Madam, you direct the Home Minister. He is sitting quiet over the matter. He is not telling us what is happening in Kashmir. He should know that it is a very important matter. The House is sure that he will come forward with a statement and take the House into confidence. Three terrorists have already been released and Mr. Doraiswamy's fate is still not known.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am sure the Home Minister has noted your concern and he is going to take action.

SHRI SURESH KALMADI: There has been no action so far.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, clarification on Minister's statement.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): Madam, we are waiting for long to say something and...

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, I am not allowing anybody.

SHRI DIPEN GHOSH: Here, the question of Centre-State relations does not come in the way because Jammu and Kashmir is under the President's rule. A Central Government official has been abducted and we don't know whether he is dead or alive. Government owes an explanation to Parliament.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now the clarifications. Shri J. P. Mathur will ask clarifications.

CLARIFICATIONS ON THE STATEMENT REGARDING ESCAPE FROM THE CUSTODY AND SUBSEQUENT DEATH OF SHRI SHANMUGAM, ONE OF THE ACCUSED IN THE RAJIV GANDHI ASSASSINATION CASE

उपसभापति मेरे पास तीस नाम हैं कृपया सवाल तक ही अपने को महदूद रखें । श्री जे०पी० माथुर ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : मैं भाषण नहीं करता हूं, मैं सवाल ही पूछता हूं ।

महोदया, मैं यह पूछना चाहता हूं कि जो कैदी भागा वह कैसे भागा ? इससे लगता है कि वहां पुलिस के अफसर मौजूद थे । लेकिन कैदी के हाथो में हथकड़ियां नहीं थी । जिस समय उसकी मौत हुई और जिस वक्त उसकी लाश पेड़ से लटकी हुई मिली तो क्या उसके हाथ में हथकड़ी थी ? यदि हथकड़ी थी तो मालूम होता है कैदी को अच्छी तरह से हवालात में रखा गया था । लेकिन लगता यह है कि उसके हाथों में हथकड़ी नहीं थी या पैर में बेड़ी नही थी ।

इससे संदेह होता है कि वहां जो अधिकारी थे, क्या उनकी किसी प्रकार से उसको बचाने में या भगाने में कोई साजिश थी ? ऐसी स्थिति में मैं जानना चाहता हूं कि उनकी रुकावट के लिए क्यों नहीं हथकड़ियां डाली गईं ? क्या कोई कानूनी पाबन्दी थी या क्या चीज थी जिससे यह संदेह दूर हो कि इसमें पुलिस वाले मिले हुए थे या नहीं थे ?

SHRI SANTOSH BAGRODIA (Rajasthan): Madam, at the moment, we are talking something about the enquiry made on the century's most sensational assassination in the world. A gentleman who was not only most popular in the world, but who was also going to change the world's economic order, who was concerned about the world's poorest of the poor was murdered. In regard to that ghastly